कैला चालीसा

॥ दोहा ॥

जय जय कैला मात हे,
तुम्हे नमाउ माथ।
शरण पड़ूं में चरण में,
जोड़ूं दोनों हाथ॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आप जानी जान हो,

मैं माता अंजान।

क्षमा भूल मेरी करो,

करूँ तेरा गुणगान॥

॥ चौपाई ॥

जय जय जय कैला महारानी।

नमो नमो जगदम्ब भवानी॥

सब जग की हो भाग्य विधाता।

आदि शक्ति तू सबकी माता॥

दोनों बहिना सबसे न्यारी।

महिमा अपरम्पार तुम्हारी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शोभा सदन सकल गुणखानी।
वैद पुराणन माँही बखानी॥

जय हो मात करौली वाली।
शत प्रणाम कालीसिल वाली॥

ज्वालाजी में ज्योति तुम्हारी।
हिंगलाज में तू महतारी॥

तू ही नई सैमरी वाली।
तू चामुंडा तू कंकाली॥

नगर कोट में तू ही विराजे।
विंध्यांचल में तू ही राजै॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

धौलागढ़ बेलौन तू माता।
वैष्णवदेवी जग विख्याता॥

नव दुर्गा तू मात भवानी।
चामुंडा मंशा कल्याणी॥

जय जय सूये चोले वाली।
जय काली कलकत्ते वाली॥

तू ही लक्ष्मी तू ही ब्रम्हाणी।
पार्वती तू ही इन्द्राणी ॥

सरस्वती तू विद्या दाता।
तू ही है संतोषी माता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्नपुर्णा तू जग पालक।
मात पिता तू ही हम बालक॥

तू राधा तू सावित्री।
तारा मतंग्डिंग गायत्री॥

तू ही आदि सुंदरी अम्बा।
मात चर्चिका हे जगदम्बा॥

एक हाथ में खप्पर राजै।
दूजे हाथ त्रिशूल विराजै॥

कालीसिल पै दानव मारे।
राजा नल के कारज सारे॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शुम्भ निशुम्भ नसावनि हारी।
महिषासुर को मारनवारी॥

रक्तबीज रण बीच पछारो।
शंखासुर तैने संहारो॥

ऊँचे नीचे पर्वत वारी।
करती माता सिंह सवारी॥

ध्वजा तेरी ऊपर फहरावे।
तीन लोक में यश फैलावे॥

अष्ट प्रहर माँ नौबत बाजै।
चाँदी के चौतरा विराजै॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

लांगुर घटूअन चलै भवन में।
मात राज तेरौ त्रिभुवन में॥

घनन घनन घन घंटा बाजत।
ब्रह्मा विष्णु देव सब ध्यावत॥

अगनित दीप जले मंदिर में।
ज्योति जले तेरी घर-घर में॥

चौसठ जोगिन आंगन नाचत।
बामन भैरों अस्तुति गावत॥

देव दनुज गन्धर्व व किन्नर।
भूत पिशाच नाग नारी नर॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सब मिल माता तोय मनावे।
रात दिन तेरे गुण गावे॥

जो तेरा बोले जयकारा।
होय मात उसका निस्तारा॥

मना मनौती आकर घर सै।
जात लगा जो तोंकू परसै॥

ध्वजा नारियल भेंट चढ़ावे।
गुंगर लौंग सो ज्योति जलावै॥

हलुआ पूरी भोग लगावै।
रोली मेहंदी फूल चढ़ावे॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो लांगुरिया गोद खिलावै।
धन बल विद्या बुद्धि पावै॥

जो माँ को जागरण करावै।
चाँदी को सिर छत्र धरावै॥

जीवन भर सारे सुख पावै।
यश गौरव दुनिया में छावै॥

जो भभूत मस्तक पै लगावे।
भूत-प्रेत न वाय सतावै॥

जो कैला चालीसा पढ़ता।
नित्य नियम से इसे सुमरता॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मन वांछित वह फल को पाता।

दुःख दारिद्र नष्ट हो जाता॥

रक्षा कर कैला महतारी॥

॥ दोहा ॥

संवत तत्व गुण नभ,

भुज सुन्दर रविवार।

पौष सुदी दौज शुभ,

पूर्ण भयो यह कार॥

॥ इति कैला देवी चालीसा समाप्त ॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- चामुंडा देवी
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा
- वीरभद्र चालीसा
- मनसा देवी
- चित्रगुप्त चालीसा
- कैला चालीसा
- जीण चालीसा

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- अन्नपूर्णा चालीसा
- कुबेर चलीसा
- नरसिंह चालीसा
- ज्वाला चालीसा
- नैना देवी चालीसा
- गोलू चालीसा
- जीण चालीसा
- झूलेलाल चालीसा
- करणी चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम